पंचदश

बिहार विधान-सभा

षोडश सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 01 वैशाख, 1937 (शा0) / 21 अप्रील, 2015 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 53

(1)	प्राथमिक शिक्षा विभाग	21
(2)	माध्यमिक शिक्षा विभाग	18
(3)	खान एवं भूतत्व विभाग	01
(4)	उच्च शिक्षा विभाग	03
(5)	कला, संस्कृति एवं युवा कल्याण विभाग	05
(6)	समाज कल्याण विभाग	01
(7)	निबंधन विभाग	01
(8)	परिवहन विभाग	01
(9)	पर्यावरण एवं वन विभाग	02
	कुल योग —	53

शामिल करना

''क''-*1346. श्रीमती पूनम देवी यादव--हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 9 जनवरी, 2015 को छपी खबर ''उपेक्षित है मुगलकालीन बैरम सिंह का महल'' की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये क्या मंत्री, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि खगड़िया जिलान्तर्गत गोगरी अनुमण्डल के भरतखण्ड गाँव स्थित मुगलकाल में बना बैरम सिंह का ऐतिहासिक महल पाँच बिगहा 5 कट्ठा 5 धुर 5 धुरकी में बना हुआ है, जो बावन कोठली विरेपन द्वार के नाम से जाना जाता है, जो संरक्षण के अभाव में जर्जर हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त ऐतिहासिक महल को संरक्षित करने तथा पर्यटन मानचित्र में शामिल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था करना

*1735. श्री अजीत शर्मा--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के भागलपुर नगर क्षेत्र में राय हरिमोहन उच्च विद्यालय, बरारी में हिन्दी, अंग्रेजी, समाज विज्ञान, उर्दू, रसायन शास्त्र, फिजिकल विषय शिक्षक का एक-एक पद स्वीकृत है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विषय के शिक्षकों का पद विगत 5 वर्षों से रिक्त रहने एवं उपस्कर के अभाव के कारण छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय में शिक्षकों का पदस्थापन एवं आवश्यक उपस्कर की व्यवस्था करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1736. श्री प्रेम कुमार--क्या मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि खान एवं भूतत्व विभाग, पटना में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को समूह ''ग'' के लिपिक सेवा में नियमानुसार प्रोन्नति देने हेतु सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना सं0 7443, दिनांक 30 जून, 2011 एवं कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं0 6216, दिनांक 29 जून, 2006 के अनुसार समूह ''घ'' के मैट्रिक उत्तीर्ण कर्मियों को स्थापना काल से वर्ग ''ग'' के लिपिकीय पद पर प्रोन्नति देने का प्रावधान है लेकिन आजतक उक्त कर्मियों को इसका लाभ नहीं दिया गया है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है तथा सरकार इस संबंध में कबतक आवश्यक कार्रवाई करने का विचार रखती है और नहीं, तो क्यों ?

जाँच कराना

*1737. श्री आलोक रंजन--क्या मंत्री, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कोसी प्रमण्डल के सहरसा जिला के प्रमण्डलीय मुख्यालय का एक मात्र कारू खिरहरी संग्रहालय लगभग 8 वर्षों से बंद पड़ा है एवं इस संग्रहालय में रखी गई करोड़ों रुपया की बुद्ध की मूर्ति पाँच वर्ष पूर्व चोरी होने के बाद आजतक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इस महत्वपूर्ण संग्रहालय को खोलने एवं इसमें चोरी हुई मूर्ति के संबंध में पुनः जाँच कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नोट--''क''-दिनांक 10 अप्रैल, 2015 को सदन द्वारा कला संस्कृति एवं युवा विभाग में स्थानान्तरित ।

लाभ देना

*1738. श्री अख्तरुल इसलाम शाहिन--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य सहित समस्तीपुर जिला में आलिम एवं शास्त्री योग्यताधारी शिक्षकों के स्नातक कला प्रशिक्षित शिक्षक पद पर प्रोन्नति नहीं दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि शिक्षा विभाग के पत्रांक 07/प्रो0-01-07/20बी0/592, दिनांक 10 मई, 2013 के निर्देश के आलोक में प्रोन्नति का लाभ प्रोन्नत हुये कनीय की तिथि से आर्थिक लाभ देने का प्रावधान है;

(3) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त निर्देश के बावजूद समस्तीपुर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मा0 शि0) ने उपरोक्त योग्यताधारी शिक्षकों को प्रोन्नति एवं उसका आर्थिक लाभ देने से वंचित रखा गया है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वंचित आलिम एवं शास्त्री योग्ताधारी शिक्षकों को प्रोन्नति एवं उसका आर्थिक लाभ देने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*1739. श्री श्याम बिहारी प्रसाद --क्या मंत्री, शिक्षा ((मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पू0 चम्पारण जिला अन्तर्गत बंजरिया प्रखण्ड के ग्राम-गैरीया में मध्य विद्यालय को उत्क्रमित कर के उच्च विद्यालय का दर्जा दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय को बनाने के लिये सरकार द्वारा राशि उपलब्ध कराकर भवन बनाने के लिये निविदा भी कर दिया गया है;

(3) क्या यह बात सही है कि विद्यालय के बगल में सरकारी जमीन को पर्चाधारियों को पर्चा दे दिया गया है जिसके चलते ठिकेदार वहाँ भवन नहीं बना पा रहे हैं;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्कूल के लिये जमीन उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रारम्भ करना

*1740. श्री महेश पासवान--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत फलका प्रखण्ड के पीर मुकाम पंचायत के दरमाहो में मध्य विद्यालय, दरमाही अवस्थित है, जिसे सरकार द्वारा वर्ष 2013 में हाई स्कूल में उत्क्रमित करने का निर्णय लिया है किन्तु अभीतक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त मध्य विद्यालय को हाई स्कूल में उत्क्रमित करने एवं निर्माण कार्य प्रारम्भ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1741. श्री विक्रम कुँवर--दिनांक 28 मार्च, 2015 को हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित ''हरियाली के दुश्मनों पर अबतक नहीं हो सकी कोई कार्रवाई'' शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीवान जिला के दरौली प्रखण्ड से केवटलिया ग्राम में बाँध की सुरक्षा के लिये लगे हरे पेड़ को वन माफियाओं द्वारा काट कर बाँध की मरम्मती करायी जा रही है;

(2) क्या यह बात सही है कि मामला उजागर होने के बाद भी जिम्मेवार पदाधिकारी कार्रवाई करने के बजाय मामले का रफा-दफा कर रहे है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोषी पदाधिकारियों एवं वन माफियाओं के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई कबतक कराने का विचार रखती है और नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1742. श्री आलोक रंजन--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा वर्ष 2011-12 में कौसी प्रमंडल के सहरसा जिला के प्रमंडलीय पुस्तकालय के विकास हेतु 27 लाख रु० दिया गया था, किन्तु आजतक इस दी गयी राशि का खर्च नहीं होने के कारण यह पुस्तकालय का विकास नहीं हो पाया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार अभीतक इस कार्य को नहीं कराने के दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई करते हुये पुस्तकालय का विकास कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन निर्माण कराना

*1743. श्री अशोक कुमार सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत गुरूआ प्रखंड के ग्राम-चन्दोखरा में प्रा०वि० कार्यरत है, जिसके भवन के निर्माण हेतु शिवनाथ प्रसाद ने 5 डी० जमीन सरकार को दिया है जो राज्यपाल के नाम पर निबंधित है, किन्तु उक्त विद्यालय का भवन का निर्माण उक्त जमीन पर नहीं हो रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि स्थानीय कर्मचारी ने उक्त जमीन को दिनांक 18 सितम्बर, 2008 को एवं अंचल अधिकारी, गुरूआ ने दिनांक 10 अगस्त, 2008 को प्राथमिक विद्यालय निर्माण हेतु अनुशंसा किया था;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्रा०वि०, चन्दोखरा का भवन निर्माण शिवनाथ प्रसाद द्वारा दिये गये जमीन पर करवाने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*1744. श्रीमती गुलजार देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत मधेपुर प्रखंड में प्राथमिक विद्यालय, जानकीनगर महादलित टोला में अवस्थित है;

(2) क्या यह बात सही है कि तीन वर्ष पूर्व प्रखंड पंचायत समिति, मधेपुर एवं जिला परिषद्, मधुबनी द्वारा उक्त विद्यालय को उत्क्रमित कर मध्य विद्यालय बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया था, परन्तु आजतक उत्क्रमित नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय को मध्य विद्यालय में उत्क्रमित करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पठन-पाठन कराना

*1745. श्री प्रमोद कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला समाहर्ता, मोतिहारी के कार्यालय पत्रांक 479, दिनांक 24 जनवरी, 2014 एवं पत्रांक 1, दिनांक 9 जनवरी, 2015 द्वारा महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय हेतु 301-97 एकड़ भू-अर्जन पुनर्वास हेतु शिक्षा विभाग को आग्रह किया गया है, परन्तु शिक्षा विभाग से विहित प्रपत्र से अधियाचना प्राप्त नहीं होने के कारण भू-अर्जन की कार्यवाही प्रारम्भ करने में राजस्व विभाग को कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार भूमि अधिग्रहण कर इसी वित्तीय वर्ष में पठन-पाठन प्रारंभ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सुनिश्चित करना

*1746. श्री मंजीत कुमार सिंह--दिनांक 12 जनवरी, 2015 को दैनिक समाचार-पत्र में छपे शीर्षक ''जिले में नहीं खुले एक भी तालिमी मरकज'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला में तालिमी मरकज के संचालन के लिये करीब सौ शिक्षा स्वयं सेवकों तथा अन्य निरक्षरों को पढ़ाने के लिये टोला सेवकों का चयन भी संचालन समिति द्वारा कर दिया गया है, किन्तु उक्त योजना के तहत सर्वेक्षित अल्पसंख्यक टोलों में निरक्षरों की पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी तथा टोला सेवक स्कूली बच्चों की उपस्थिति विद्यालय में सुनिश्चित करने हेतु भी भागीदारी नहीं बन सके, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

सुविधा देना

*1747. श्रीमती मुन्नी देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत शाहपुर विधान-सभा क्षेत्र में प्रोजेक्ट बालिका +2 उच्च विद्यालय, शाहपुर एवं प्रोजेक्ट बालिका +2 उच्च विद्यालय, महुअँव, बिहियाँ में बेंच, डेस्क, प्रयोगशाला, खेल-कूद का सामान, विद्यालय की चहारदीवारी एवं शौचालय नहीं रहने से छात्राओं को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त दोनों विद्यालय में छात्राओं के हित में आवश्यक उपस्कर एवं आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति करना

*1748. श्री जितेन्द्र कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालंदा जिलान्तर्गत सरमेरा प्रखंड मुख्यालय में विगत 10 वर्षों से उर्दू प्रा० विद्यालय अवस्थित है, जिसमें आजतक उर्दू शिक्षक प्रतिनियुक्त नहीं हैं, जबकि उक्त विद्यालय में अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं की संख्या लगभग 1,000 है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है तथा सरकार अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं के हित में उर्दू शिक्षक की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो, क्यों ?

कार्य सुचारु करना

*1749. श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के संग्रामपुर प्रखंड के दरियापुर में शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय अवस्थित है, जहाँ शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाता है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय में भवन एवं शिक्षकों के अभाव में प्रशिक्षण का कार्य ठीक ढंग से नहीं हो रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय में भवन एवं शिक्षकों की समुचित व्यवस्था कर प्रशिक्षण का कार्य सुचारु करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1750. श्री अवधेश सिंह – क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(1) क्या यह बात सही है कि वैशाली जिला अंतर्गत हाजीपुर प्रखंड के उच्च विद्यालय, धरहरा में 13 सौ छात्र/छात्राओं एवं उच्च विद्यालय, सेन्दुआरी में 1,000 छात्र-छात्राएँ पठन-पाठन करते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय में भवन के अभाव होने के कारण सप्ताह में तीन दिन छात्र एवं 3 दिन छात्राएँ का पठन पाठन चलता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय में अतिरिक्त भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1751. श्री अरुण कुमार सिन्हा––क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिला के कदमकुआँ स्थित राजकीयकृत बापू स्मारक महिला उच्च विद्यालय का अपना भवन नहीं रहने के कारण राजकीयकृत बालक विद्यालय, राजेन्द्रनगर में दो वर्ष पूर्व शिफ्ट कर दिया गया है जिससे छात्रों को पठन-पाठन में असुविधा हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार राजकीयकृत बापू स्मारक महिला उच्च विद्यालय के लिये जमीन चिन्हित कर अपना भवन मुहैया कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1752. श्री मुजाहिद आलम – क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिलान्तर्गत कोचाधामन प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालयों के निर्माण कार्य वर्ष जून, 2014 से आधारभूत संरचना विभाग द्वारा चल रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि बाला नगर, कोचगाढ़ापुरन्दा, मौधो, धनपतगंज, हल्दी खोरा आदि जगहों पर निर्माण किये जा रहे विद्यालयों में काफी घटिया सीमेंट, ईंट, छड़ एवं लोकल बालू का प्रयोग किया जा रहा है ;

(3) क्या यह बात सही है कि निर्माण कार्य बिना तकनीकी पदाधिकारी की उपस्थिति में किया जा रहा है तथा छत ढलाई जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी तकनीकी पदाधिकारी के अनुपस्थिति में किया जा रहा है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सक्षम पदाधिकारी द्वारा गुणवत्ता की जाँच कराते हुए संवेदक एवं दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्यालय खोलना

*1753. श्री प्रदीप कुमार – क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि––

(1) क्या यह बात सही है कि नवादा जिलान्तर्गत वारिसलीगंज प्रखंड के नगर पंचायत, वारिसलीगंज स्थित ग्राम प्रभुनगर महादलित टोला, नागपुर, हिरमा बिगहा, बिशनपुर, नटिन बिगहा, बिजयनगर तथा पंचायत टेंग के ग्राम-पालानक में प्राथमिक विद्यालय नहीं हैं, जिससे वहाँ के गरीब बच्चों को प्राथमिक शिक्षा ग्रहण में परेशानी हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय स्थापित करवाने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*1754. श्री मनोहर प्रसाद सिंह- क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के मनिहारी प्रखंड अंतर्गत कन्या मध्य विद्यालय, मनिहारी में लड़कियों के साथ लड़के भी पढ़ते हैं, इसमें छात्र-छात्राओं की संख्या 1,636 है और उनके पठन-पाठन के लिये उपलब्ध 7 कमरे और 1 जर्जर प्रशाल (हॉल) में से 1 कमरा नि:शक्त बच्चों के शिक्षण के लिये और 1 कमरा साक्षर भारत मिशन के लिये प्रयुक्त होता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय में उपस्कर, शौचालय और पेयजल की भी कोई व्यवस्था नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वहाँ अतिरिक्त वर्ग कक्ष के साथ उपर्युक्त संसाधनों को उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विकसित करना

*1755. श्री जनार्दन मांझी- क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत अमरपुर प्रखंड में राजकीय बुनियादी विद्यालय, सलमपुर है जिसमें आठवीं तक पढ़ाई होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकारी नियमानुसार प्रत्येक प्रखंड में एक आदर्श विद्यालय का प्रावधान है ताकि आगे की पढ़ाई में कोई कठिनाई नहीं हो ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राजकीय बुनियादी विद्यालय, सलमपुर, अमरपुर को मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापना करना

*1756. श्री पवन कुमार जायसवाल- क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक शिक्षा) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत पताहीमहल प्रखंड के ग्राम पंचायत, पुरनहिया के ग्राम जगीरहा एवं गोबरिया टोला तथा ग्राम पंचायत, बरवा कला के छोटका घुघुआ में एक भी नवसृजित प्रा० विद्यालय नहीं होने के कारण बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिये करीब 2 कि०मी० पैदल जाना पड़ता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि छोटका घुघुआ एवं गोबरिया टोला में 15 वर्ष पूर्व ही प्राथमिक विद्यालय भवन का निर्माण कराया गया था जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है लेकिन विद्यालय इकाई स्वीकृत नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ग्रामों में छात्रहित में नवसृजित प्रा०वि० की स्थापना का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ट्रेनिंग दिलाना

*1757. श्री नितिन नवीन- स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र में दिनांक 3 जनवरी, 2015 को प्रकाशित शीर्षक "नियोजित अन्ट्रेंड शिक्षकों को भी ट्रेनिंग नहीं" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी की वजह से अन्ट्रेंड शिक्षकों का नियोजन विगत चार वर्ष पूर्व किया गया है, लेकिन प्राइमरी और ऊपर प्राईमरी लेवल के करीब 50 प्रतिशत शिक्षक आजतक अन्ट्रेंड हैं जिसकी वजह से छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है तथा सरकार कबतक छात्र-छात्राओं के हित में अन्ट्रेंड शिक्षकों को ट्रेनिंग दिलाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*1758. श्री (मो०) आफाक आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत जलालगढ़ मध्य विद्यालय, डीहाँ में 500 (पाँच सौ) छात्र/छात्राएँ को वर्ग 1 से आठ कक्षा तक का पठन-पाठन किया जाता है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त डीहाँ मध्य विद्यालय के पास एक एकड़ से अधिक जमीन है एवं उच्च विद्यालय खोलने हेतु सभी अर्हताएँ मौजूद है एवं 5 कि०मी० के दायरे में कोई उच्च विद्यालय नहीं है;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*1759. श्री चितरंजन कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अरवल जिलान्तर्गत रामपुर चौरम राजकीयकृत मध्य विद्यालय अवस्थित है जहाँ छात्राओं की संख्या अधिक है एवं इस गाँव के आस-पास माध्यमिक शिक्षा के लिये एक भी हाई स्कूल नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार रामपुर चौरम मध्य विद्यालय को हाई स्कूल में उत्क्रमित कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1760. श्री मदन सहनी--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के हनुमान नगर प्रखण्ड के हाई स्कूल, तारालाही का भवन का निर्माण कार्य 55 लाख की लागत से हो रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त हाई स्कूल के भवन निर्माण में प्राक्कलन के अनुसार बालू, सीमेंट, छड़ एवं ईंट का उपयोग नहीं हो रहा है;

(3) उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय के भवन निर्माण कार्य की जाँच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

व्यवस्था करना

*1761. श्री अजय कुमार चुलगानीत--क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला के पटोरी, मोहनपुर और माहिठहौन नगर प्रखण्ड के लोग कृषि पर आधारित है एवं तीनों प्रखण्डों को मिलाकर 37 पंचायत है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सभी पंचायतों के किसानों का फसल हर वर्ष नीलगायों और बनैला सुअरों द्वारा बर्बाद कर दिया जाता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार किसानों के हित में नीलगायों एवं सुअरों के रोकथाम की व्यवस्था करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1762. (डॉ०) मो० जावेद--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के शहर में वार्ड नं० 9 से एस०एस०बी० कैम्प के बीच एम०भी०आई० द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान चालकों के भगदड़ के कारण वर्ष 2014-15 में दुर्घटना से मौते हुई हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार एम०भी०आई० द्वारा जाँच की कार्रवाइ शहर से बाहर कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापना करना

*1763. श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि महालेखाकार, बिहार को प्रेषित विभागीय पत्रांक 969, दिनांक 4 अगस्त, 2008 अनुसार राज्य के 137 नवसृजित प्रखण्डों के लिये प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी का पद सृजित किया गया था जिसमें दरभंगा जिला का अलीनगर प्रखण्ड भी था;

(2) क्या यह बात सही है कि अलीनगर प्रखण्ड में पदस्थापित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के पद का प्रभार निदेशक प्राथमिक शिक्षा के पत्रांक 1490, दिनांक 15 अक्तूबर, 2013 द्वारा प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, घनश्यामपुर को सौंप दिया गया और कहा गया कि अलीनगर में पद सृजित नहीं है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त संदर्भ में प्रश्नकर्ता सदस्य के पत्रांक 74, दिनांक 29 अक्तूबर, 2013 द्वारा प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग को पत्र लिखा गया था किन्तु कोई कार्रवाई नहीं हुई, यदि हाँ, तो पद के सृजित रहते हुये अलीनगर में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी की पदस्थापना नहीं करने का क्या औचित्य है ?

नियुक्ति करना

*1764. श्रीमती उषा सिन्हा--क्या मंत्री, निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सभी जिलों के क्षेत्रीय निबंधन कार्यालय में लिपिकों के रिक्त पदों पर सांविदा के आधार पर दैनिक समाचार-पत्र में विज्ञापन निकाला गया, जिसमें 15 दिसम्बर, 2014 तक जिला अवर निबंधन कार्यालय में फार्म जमा करने की अंतिम तिथि थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला में उक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन-पत्र माँगा गया था तथा अन्य जिलों में निबंधन कार्यालय में लिपिकों की नियुक्ति कर ली गयी है, जबकि आजतक किशनगंज जिला में लिपिकों की नियुक्ति नहीं की गयी है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार किशनगंज जिला के निबंधन कार्यालय में लिपिकों की नियुक्ति करना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जाँच कराना

*1765. श्रीमती गुलजार देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला के फुलपरास प्रखण्ड अन्तर्गत मध्य विद्यालय, बैरियाही को सर्व शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्य हेतु 50 लाख रुपये आवंटित किये गये हैं, परन्तु आज की तारीख में एक भी कमरा शिक्षण कार्य हेतु उपलब्ध नहीं है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार विभाग के वरीय पदाधिकारी से इसकी जाँच करवाने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्वीकृति देना

*1766. श्री (डॉ०) अच्युतानन्द--दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 28 अगस्त, 2014 के अंक में छपी खबर "एक भी निजी विश्वविद्यालय को नहीं मिली राज्य में मंजूरी" शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हेतु वर्ष 2013 में नियमावली बनाई गई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य में पिछले वर्ष सात निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना कराने हेतु आवेदन सरकार को प्राप्त हुआ था ;

(3) क्या यह बात सही है कि 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी एक भी विश्वविद्यालय को स्थापना की स्वीकृति नहीं दी गयी है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो 1 वर्ष के अंदर भी विश्वविद्यालयों को स्थापना की स्वीकृति नहीं दिये जाने का क्या औचित्य है ?

उत्क्रमित करना

*1767. श्री चितरंजन कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अरवल जिलान्तर्गत बैदराबाद में राजकीयकृत मध्य विद्यालय अवस्थित है, जहाँ छात्र-छात्राओं की संख्या 22 सौ से अधिक है एवं बैदराबाद में एक भी हाई स्कूल नहीं है तथा उक्त मध्य विद्यालय उच्च विद्यालय में उत्क्रमण हेतु सारी शर्तों को पूरा करता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार बैदराबाद मध्य विद्यालय को हाई स्कूल में उत्क्रमित करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

सीट बढ़ाना

*1768. श्री मंजीत कुमार सिंह--दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 11 अक्टूबर, 2014 को प्रकाशित "प्लस टू स्कूलों व कॉलेजों में इंटर की सीटें बढ़ेंगी" शीर्षक को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि 2600 कॉलेजों व प्लस टू स्कूलों में 10.5 लाख छात्र बिहार बोर्ड से दसवीं पास करते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि एक हजार कॉलेजों ने 3 लाख अतिरिक्त सीट बढ़ाने का आवेदन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को वर्ष 2013-14 में दी गई थी ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्लस टू स्कूलों एवं कॉलेजों में सीट बढ़ाने का विचार रखती है ?

पदस्थापित करना

*1769. श्री प्रदीप कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि नवादा जिलान्तर्गत वारिसलीगंज प्रखंड तथा काशीचक प्रखंडों में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी का पद एक वर्ष से अधिक अवधि से रिक्त है ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी का पद रिक्त रहने से अधिकांश विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना बंद है साथ ही पठन-पाठन में भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वारिसलीगंज एवं काशीचक प्रखंडों में खंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, को पदस्थापित करवाने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1770. श्री प्रमोद कुमार--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित ''घोषणा के एक वर्ष बाद भी नहीं बंटी सेनेटरी नैपकिन'' शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा वर्ग 7 से इण्टर तक की छात्राओं को पूरे राज्य के विद्यालयों के माध्यम से सेनेटरी नैपकिन'' देने की घोषणा 13 फरवरी, 2014 को किया जिसके लिये 32.76 करोड़ राशि स्वीकृत कर आवंटित भी कर दिया गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार ''सेनेटरी नैपकिन'' बंटवाने के साथ विलम्ब के लिये जिम्मेवार अधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

आरक्षण देना

*1771. श्री सोनेलाल हेम्ब्रम--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिला के सिंहेश्वर प्रखंड में अवस्थित प्रा० शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुखासन में जमीन दान देने के फलस्वरूप नामांकन में सुखासन पंचायत के ग्रामीणों के लिये 10 प्रतिशत सीट आरक्षित था, जिसपर वहाँ के ग्रामीणों का नामांकन होता था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त महाविद्यालय में आरक्षित सीटों पर ग्रामीणों का नामांकन वर्ष 1980 से बंद कर दिया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त महाविद्यालय में सुखासन पंचायत के योग्य छात्रों को नामांकन में आरक्षण देने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1772. श्री पवन कुमार जायसवाल--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013-14 तक पूर्वी चम्पारण जिला में 662 नये प्राथमिक एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय भवन निर्माण का लक्ष्य रखा गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि लक्ष्य के विरुद्ध जहाँ 78 नये विद्यालय भवन का निर्माण प्रारम्भ नहीं हो सका वहीं 72 विद्यालय भवन निर्माण की राशि प्रत्यर्पित कर दी गयी ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नये विद्यालय भवन निर्माण शुरू नहीं करने तथा राशि प्रत्यर्पित होने के कारणों की उच्चस्तरीय जाँच कराकर नये विद्यालय भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1773. श्रीमती नीता चौधरी--क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के संग्रामपुर प्रखंड अंतर्गत दीदारगंज पंचायत के जवाहर नगर मुसहरी में आँगनबाड़ी केन्द्र संचालित है जहाँ महादलितों की संख्या 500 से अधिक है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त आँगनबाड़ी केन्द्र का अपना भवन नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त गाँव में आँगनबाड़ी केन्द्र के लिये भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1774. श्री अरूण शंकर प्रसाद--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार, मौलिक लेखन तथा अनुसंधान हेतु वर्ष 1987 में संस्कृत अकादमी की स्थापना पटना में की गयी थी तथा दो कमरे भवन में ही अकादमी का कार्य संचालित हो रहा है, जिस कारण पुस्तकालय एवं वाचनालय का कार्य बाधित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु राज्य सरकार ने 2006-07 में आठ लाख रुपये उपलब्ध कराया था, परन्तु इसके बाद कोई राशि मुहैया नहीं कराने से संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार बंद है ;

(3) क्या यह बात सही है कि अकादमी में शोध सहायक, सहायक निदेशक सहित अन्य पाँच पद रिक्त हैं तथा कर्मचारियों का अप्रील 2014 से वेतन भी लंबित है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अकादमी के उत्थान हेतु कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है ?

निर्माण करना

*1775. श्री ललन कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत तेघड़ा प्रखंड के पिढौली पंचायत में उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय के भवन निर्माण की स्वीकृति के पश्चात् आठ माह पूर्व निविदा भी आधारभूत संरचना निगम द्वारा प्रकाशित की गयी, परंतु आजतक उक्त विद्यालय के भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

एक्सेलेन्ट बनाना

*1776. श्रीमती पूनम देवी यादव--क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०)विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि तिलकामांझी विश्वविद्यालय अन्तर्गत कोसी महाविद्यालय खगड़िया को वर्ष 2012-13 में कॉलेज ऑफ एक्सेलेन्ट बनाने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है, जिसे अबतक मूर्त रूप देने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है, यदि हाँ, तो क्या सरकार कोसी महाविद्यालय खगड़िया को कॉलेज ऑफ एक्सेलेन्ट बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रशिक्षण देना

*1777. श्रीमती पूनम देवी यादव--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०)विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि खगड़िया जिला के खगड़िया प्रखंड में संसारपुर शिक्षक-प्रशिक्षण विद्यालय स्थापित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जिले में सरकारी स्तर पर कोई बी०एड० शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय नहीं है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को काफी कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार संसारपुर शिक्षक-प्रशिक्षण विद्यालय को महाविद्यालय में परिणत करने एवं बी०एड० का प्रशिक्षण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

आरंभ करना

*1778. श्री मनोहर प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०)विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के मनिहारी प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय, मिर्जापुर में मध्याह्न भोजन का चावल 6 दिसम्बर, 2014 को ही उठा लिया गया है लेकिन अबतक मध्याह्न भोजन आरम्भ नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार वहाँ के प्रधानाध्यापक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये मध्याह्न भोजन आरम्भ करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण करना

*1779. श्री (प्रो०) चन्द्र शेखर--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2003-04 में सहरसा जिला मुख्यालय में तीन करोड़ रु० की लागत से बनने वाली एक स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति सरकार ने दी थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि स्टेडियम निर्माण मद में एक करोड़ रु० की विमुक्ति हो गई है ;

(3) क्या यह बात सही है कि पूर्ण राशि के अनुपलब्धता के कारण स्टेडियम ग्यारह वर्षों से अर्द्धनिर्मित अवस्था में है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अधूरे स्टेडियम निर्माण को पूर्ण कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1780. श्री बृज किशोर सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मोतीपुर प्रखंड के प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय मोतीपुर में चहारदीवारी निर्माण जनवरी, 2014 में शुरू किया गया है, किन्तु चहारदीवारी का निर्माण अपूर्ण है तथा एक वर्ष से चहारदीवारी निर्माण बंद है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय का चहारदीवारी का निर्माण कार्य बंद करने वाले पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं,तो क्यों ?

कार्य योजना बनाना

*1781. श्री दुर्गा प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला के दलसिंहसराय प्रखंड के पांड पांडव स्थान के खुदाई में मौर्यकालीन अवशेष प्राप्त हुये हैं, जिसके संरक्षण हेतु कोई व्यवस्था नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त अवशेष के संरक्षण हेतु कार्य योजना बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों

लाभ देना

*1782. श्री (सो0) तौसीफ आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में सितम्बर, 2005 के पहले नियुक्त कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन एवं सितम्बर, 2005 के बाद रिटायरमेंट कर्मी को आंशिक पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि बिहार के पूरे प्रदेश में मदरसा शिक्षकों को रिटायरमेंट के पश्चात् उक्त पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खंड (1) में वर्णित योजनान्तर्गत मदरसा शिक्षकों को पेंशन योजना का लाभ देने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रारंभ करना

*1783. श्री बृज किशोर सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मोतीपुर प्रखंड के प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय में 13 (तेरह) कमरे का निर्माण वर्ष 1995 में हुआ है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त निर्मित विद्यालय भवन में पढ़ाई के बदले दुकान चल रहा है, जिससे छात्राओं को पठन-पाठन में कठिनाई हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भवन से दुकान हटाकर छात्रों का पठन-पाठन कार्य शुरू करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

केन्द्र खोलना

*1784. श्री दुर्गा प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत उजियारपुर प्रखंड में कला एवं संस्कृति केन्द्र नहीं है जिससे इस क्षेत्र में कला एवं संस्कृति संबंधी ज्ञान प्राप्ति हेतु युवाओं को दूर जाना पड़ता है, फलस्वरूप आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जिले के उजियारपुर प्रखंड में कला एवं संस्कृति केन्द्र खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापन करना

*1785. श्री अजीत शर्मा--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के गुरूकुल उच्च विद्यालय में भौतिकी, रसायनशास्त्र, गणित, संस्कृत, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर शिक्षक का एक-एक पद विगत 5 वर्षों से रिक्त है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विषय के शिक्षकों के अभाव में उक्त विद्यालय में छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गुरूकुल उच्च विद्यालय में उक्त विषयों के शिक्षकों को पदस्थापित करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मध्याह्न भोजन देना

*1786. श्री (डॉ0) अच्युतानन्द--दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 25 नवम्बर, 2014 के अंक में छपी खबर ''फिर भी पढ़ने आते हैं बच्चे'' शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के एक समाचार-पत्र के द्वारा कराये सर्वे में यह खुलासा हुआ है कि राज्य के मात्र 44.68 फीसदी विद्यालयों में ही सरकार मीनू के अनुसार मध्याह्न भोजन का वितरण कराया जाता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार एवं केन्द्रीय सहायता की मध्याह्न भोजन राशि राज्य के सारे विद्यालयों में समान रूप से वितरित की जाती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य के आधे से अधिक विद्यालयों में सरकारी मीनू के अनुसार छात्र-छात्राओं को मध्याह्न भोजन नहीं देने का क्या औचित्य है ?

पटना :
दिनांक 21 अप्रील, 2015 (ई0)।

हरेराम मुखिया,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि0 स0 मु0 (एल0 ए0), 48-डी0 टी0 पी0-450